चुड़ैल विज़िल की कहानी

विलियम

चुड़ैल विज़िल की कहानी

विलियम
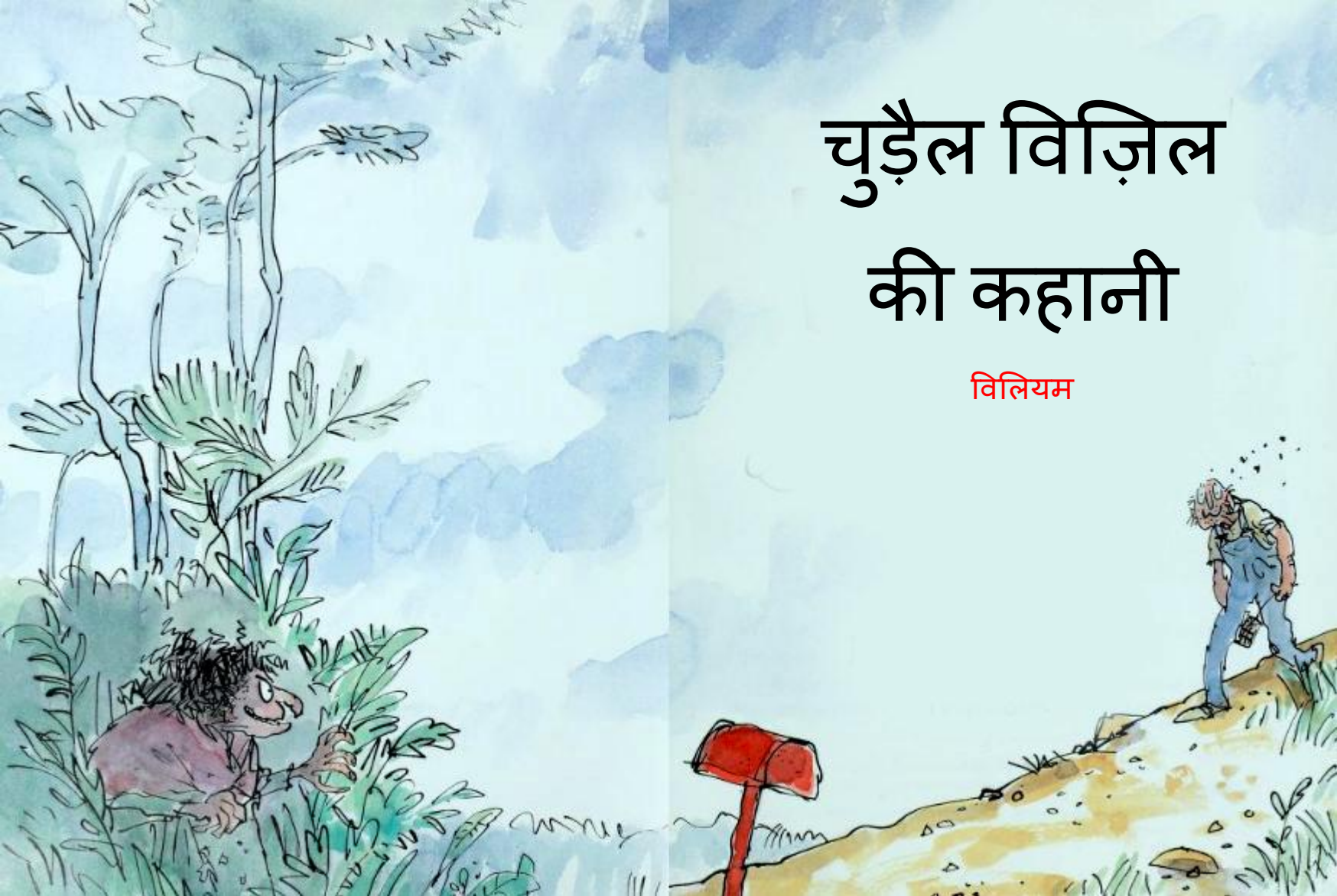
विज़िल चुड़ैल अपने नाखूनों को दांतों काटने में व्यस्त थी.

"बीट्राइस," उसने कहा. मैं अब ऊब गई हूँ."

"ठीक है, तुम इतने लंबे समय से एक ही जगह पर पड़ी हो," तोते ने कहा.

"अब जाओ और किसी को परेशान करो, कष्ट पहुंचाओ!"

"लेकिन किसे?" विज़िल ने पूछा. "और कहाँ?"

"फ्रिम्प फार्म में," बीट्राइस चिल्लाया. "फ्रिम्पी परिवार तुम्हारे लिए बिलकुल ठीक रहेगा. वहाँ डेविट फ्रिम्प, फ्रेड फ्रिम्प और फ्रेड की पत्नी, फ्लोरेंस फ्रिम्प रहते हैं."

विज़िल ने अपने तोते की सलाह मानी. उसने खुद को एक आम घरेलू मक्खी में बदला, और फ्रिम्प फार्म पर गश्त लगाने पहुंची.

डेविट फ्रिम्प सोते हुए खर्राटे ले रहा था पर उसकी मुट्ठी में मक्खी मारने वाला एक फ्लाई-स्वैटर था. उसे मक्खी की हर नस्ल से घृणा थी खासकर घरेलू प्रजाति "मुस्का डोमेस्टिका" से.

अब चूंकि गायों का दूध निकालने का काम ख़त्म कर चुका था, इसलिए उसके पास मक्खी मारने के लिए काफी समय था.

विज़िल एक साधारण मक्खी की तरह डेविट गंजे सिर पर बैठी फिर वो उसकी नाक पर बैठी. फिर उसने चलते हुए डेविट के गाल को पार किया और अपने नन्हें पैरों से उसके कान गुदगुदाए. डेविट ने अपने मक्खी-मार स्वैटर को घुमाया - जहाँ भी वो उसे घुमा सकता था! तीन बार चुड़ैल उसके वार से बाल-बाल बची!

बदला लेने की नियत से विज़िल ने खिड़की के बाहर झांका, वास्तव में वो बदला लेने की एक योजना बना रही थी. "विज़िल," उसने खुद से कहा, "उस गंजे सिर वाले आदमी ने फुदक-फुदक कर आज मुझे मार ही डाला होता! अब मैं जल्द ही उससे ऐसा बदला लूंगी कि वो उसे ज़िंदगी भर नहीं भूलेगा!"

उसके बाद विज़िल घर वापिस गई. विज़िल तुरंत बिस्तर पर लेट गई और छत पर घूर-घूरकर अपनी योजना के बारे में विचार करती रही.

अचानक वह उठी और अपनी साँपों की खाल वाली चप्पलों को फर्श पर सीधा किया. "बीट्राइस," चुड़ैल ने कहा, "सुनो! उस बूढ़ा मर्द ने अपने बाएं हाथ में मक्खी मार स्वैटर पकड़ रखा था, इसलिए वो बाएं हाथ वाला "लेफ्टी" है."

"मैं खुद को बाएं हाथ के दस्ताने में बदलने जा रही हूं और फिर मैं सुनिश्चित करूंगी कि वो मुझे लगातार पहने रहे. फिर मैं उसे मज़ा चखाऊँगी!"
"यही तरीका है, विज़िल," बीट्राइस तोते ने कहा, "उसे अच्छा सबक सिखाना!"

अगले दिन सूर्योदय से पहले, विज़िल, फ्रिम्प के मेल-बॉक्स के आसपास की झाड़ियों पर मंडरा रही थी. जब सूरज निकला, तो डेविट के बाएं हाथ में एक फ्लाई-स्वैटर था और उसके दाएं हाथ में एक पत्र था.

अरे बाप रे! जो कभी चुड़ैल थी वो अब एक दस्ताना बन गई थी! पत्र को पोस्ट करने के बाद डेविट ने उसे देखा.

"फ्रिम्प, भले आदमी, यह तुम्हारा भाग्यशाली दिन है!" उसने खुद से कहा, और वह अपने हाथ में दस्ताना लेकर ख़ुशी-ख़ुशी घर लौटा.

डेविट ने हर समय अपने नए दस्ताने को पहना। जब वह मुंह धोता, शेव करता, घड़ी में चाभी भरता या अपनी नाक कुरेदते समय ही दस्ताने को उतारता. वो दस्ताने को नाश्ते, दोपहर के भोजन और रात के खाने के समय भी पहनता था, मानो वो बिल्कुल उसके शरीर का हिस्सा हो.

विज़िल ने डेविट को आदत डालने का समय दिया. लेकिन फिर विज़िल ने अपना रंग दिखाया. अब डेविट ने खुद को मक्खियों के खिलाफ युद्ध में हारते हुए पाया. डेविट मक्खियां मारने को कूदता था, झूलता था और तैरता था, और वो उन्हें मक्खी-मार से मारता था. लेकिन विज़िल, हाथ को कभी इस तरफ और कभी उस तरफ झटक देती. फिर कोई भी मक्खी नहीं मरती थी!

इसने कभी-कभी डेविट बहुत दुखी होता था. उसने मक्खियों के खिलाफ युद्ध छेड़ा था और वो पूरे घर में छोटी-छोटी मक्खियों का पीछा करता था. उसका वार हर चीज़ पर पड़ता था - मक्खियों को छोड़कर.

"क्या आप ठीक हैं, पापा?" फ्लोरेंस फ्रिम्प ने आखिरकार पूछा. "मैं एकदम ठीक हूं." डेविट ने झूठ बोला. "अरे बाप रे!" फ्रेड फ्रिम्प ने कहा. "जब से आपने वो दस्ताने पहने हैं तब से आप एकदम पगला गए हैं." "नहीं! अगर घर में कोई पागल है तो वो तुम हो. साफ़ सुन लो, मैं इस दस्ताने को पहनना बंद नहीं करूंगा."

"कृपया, करके पापा" फ्लोरेंस ने विनती की, "बस एक दिन के लिए इसे उतार दें और फिर देखें कि क्या होता है."

"नहीं, मैं वैसा बिलकुल नहीं करूंगा," डेविट ने कहा.

लेकिन डेविट का बेटा और पत्नी, डेविट को लगातार परेशान करते रहे. अंत मे चुड़ैल अपना धैर्य खो बैठी और उसने फ्रेड और फ्लोरेंस को सबक सिखाने का फैसला किया. उसने फ्रेड और फ्लोरेंस के शरीर में अप्रत्याशित स्थानों पर असहनीय खुजली शुरू कर दी. और वे वहां जितना अधिक खरोंचते, खुजली उतनी ही विकट होती जाती.

उस रात के भोजन में चुड़ैल ने उनके मीटबॉल में विस्फोट
किया और उनका पानी फव्वारे की तरह फैलाया.

और सुबह को चुड़ैल ने पूरे घर को हिलाकर रख दिया
जिससे घर की हरेक ईंट मदद के लिए रोने लगी.

उस दोपहर पुल पर दुखी-दुखी जाते हुए, डेविट को समझ में आया कि जो अजीबोगरीब चीजें हो रही थीं शायद उनका कारण उसका दस्ताना ही था. फ्रेड और फ्लोरेंस ने शायद सही ही कहा था - दस्ताने के अपराधी होने की बात! फिर उसने अपनी कलाई से दस्ताना उतारा और उसे नदी में फेंक दिया.

विज़िल, दस्ताने ने पानी में तुरंत अपने घृणित चुड़ैल के असली रूप में बदलना शुरू किया.

अरे हाँ! विज़िल चुड़ैल को गीले होने से नफरत थी (बचपन से उसने अपने जीवन में कभी भी स्नान नहीं किया था. उसके बाद से उसने सिर्फ अपने दोनों डरावने हाथ ही कभी-कभी धोए थे). फिर वो जोर से उछलती, गुर्राती, थूकती रही और धीरे-धीरे वो नदी में डूबने लगी.

डिविट ने यह सब बड़े अविश्वास से देखा. वैसे विज़िल अत्यंत डरावनी और भयानक थी लेकिन डेविट अपने किसी साथी प्राणी को डूबते हुए नहीं देख सकता था. उसने तुरंत नदी में गोता लगाया. उसने उस घृणित चुड़ैल को अपनी बाहों में पकड़ा और फिर उसे किनारे ले जाने लगा.

आधे रास्ते में, डिविट यह देखकर चौंका कि वो चुड़ैल, भयावह दिखने के बजाए, शरमा रही थी. उसकी खुली आँखों में कृतज्ञता भरी थी और वो मुस्कुरा रही थी.

नदी के साफ़ पानी में विज़िल की अच्छी तरह धुलाई हो गई थी और उसकी सारी गंदगी पानी में बह गई थी.
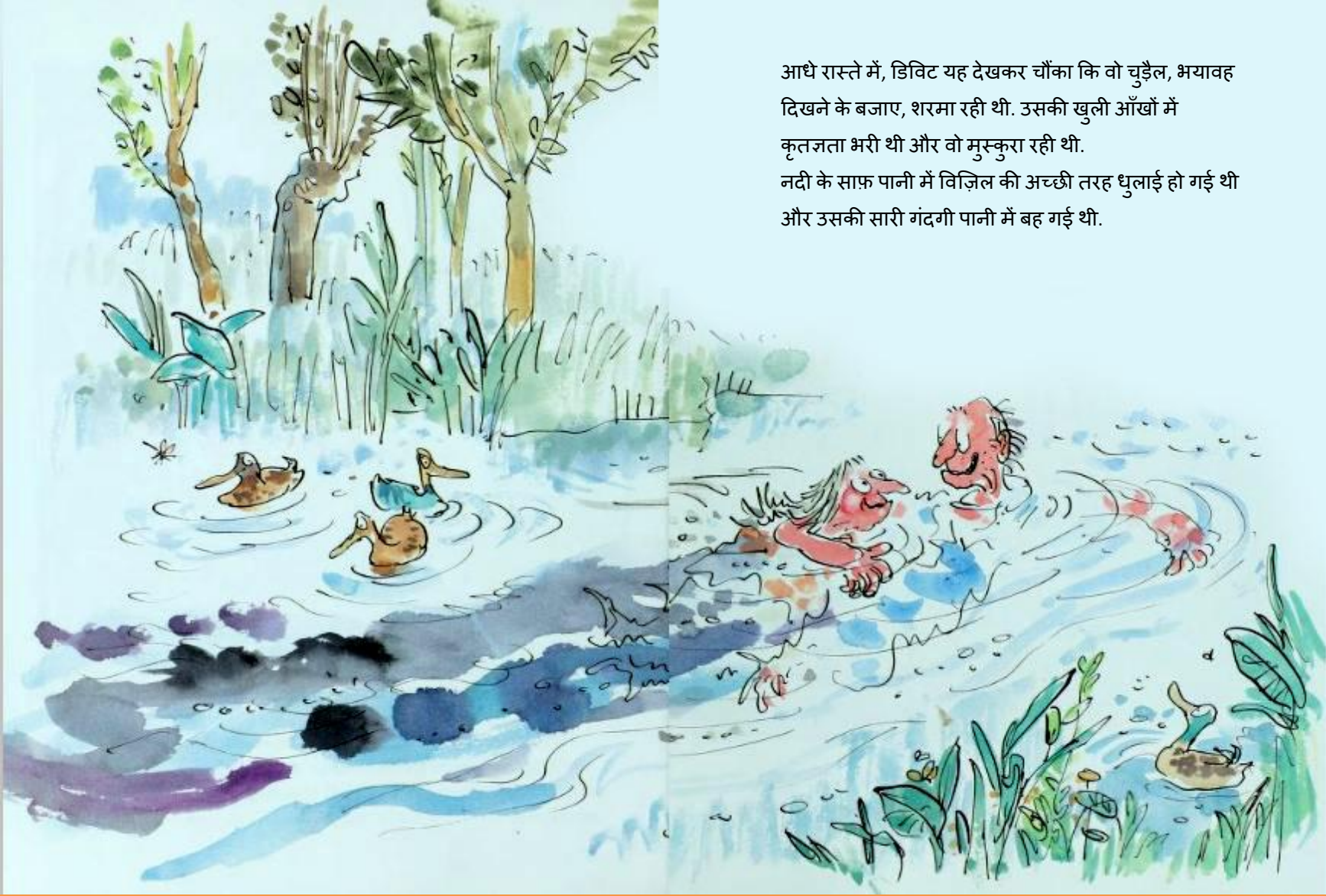
खुद को बचाने के लिए दौड़ने के बजाए, जैसे ही वे नदी के किनारे पर पहुंचे, डिविट ने खुद को आश्चर्यजनक रूप से एक प्यारी बूढ़ी महिला को गले लगाते हुए पाया.

कहने की ज़रूरत नहीं, विज़िल और डेविट पूरी तरह से एक-दूसरे के प्रेम में पड़ गए. फिर वो बूढ़ी विवाहित जोड़ी एक-साथ फार्म पर रहने लगी.

उसके बाद से विज़िल फिर कभी नहीं ऊबी. कभी-कभी वो और डेविट, फ्रेड और फ्लोरेंस के साथ ताश भी खेलते थे. बीट्राइस भी उस खेल में शामिल हो जाता था.

"मुझे लगता है कि अब मुझे इन इंसानों के साथ यहीं रहना होगा," तोते ने कहा. "और अब वो एक बिल्कुल अलग ज़िन्दगी होगी!"

समाप्त